

व्यावसायिक योग्यता पर शिक्षकों की शैक्षिक प्रौद्योगिकी का अध्ययन

¹Gulshan Kumar & ²Dr. Kuldeep Kumar

¹Ph.D Research Scholar, Dept. Of. Education, Himalayan Garhwal University, Uttarakhand

²Professor, Dept. Of. Education, Himalayan Garhwal University, Uttarakhand

ARTICLE DETAILS

Article History

Published Online: 15 April 2019

Keywords

व्यावसायिक योग्यता, प्रौद्योगिकी, व्यावसायिक शिक्षा.

ABSTRACT

व्यावसायिक शिक्षा एक प्रणाली या अध्ययन के पाठ्यक्रम को संदर्भित करती है जो व्यावहारिक गतिविधियों पर आधारित नौकरियों के लिए व्यक्तिगत रूप से तैयार करती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को मैकेनिकवेल्डर और ऐसे अन्य मासिक नियोजन जैसे नौकरियों के लिए संदर्भित किया गया था। हालांकि दुनिया की बदलती अर्थव्यवस्थाओं के कारण अधिक ज्ञान पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में दुनिया में अब हर एक व्यक्ति को किसी-भी विशेष कौशल में विशिष्ट होने की आवश्यकता है। अब, 21वीं शताब्दी में केवल वे लोग जो किसी भी तकनीकी क्षेत्र में विशेषज्ञ हैं, अच्छी नौकरियां सुरक्षित कर सकते हैं। इसलिए, सरकारी और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में उच्च स्तर की कौशल मांग में वृद्धि हुई है। शैक्षिक प्रौद्योगिकी को सर्वाधिक सरलता और सुगमता से ऐसे उपकरणों की एक सरणी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो शिक्षार्थी के सीखने की प्रक्रिया में सहायक सिद्ध हो सकें। शैक्षिक प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी "शब्द" की एक व्यापक परिभाषा पर निर्भर करती है।

प्रस्तावना:

शैक्षिक प्रौद्योगिकी के उद्भव को उसकी राह में गुफाओं की दीवारों पर बनी पेंटिंग्स में बहुत ही प्रारंभिक उपकरणों के रूप में पाया जा सकता है। लेकिन आमतौर पर इसके इतिहास का आरंभ शैक्षिक फिल्म (1900) का या (1920 के दशक की सिडनी प्रेससे की यांत्रिक शिक्षण मशीन से माना जाता है। नई प्रौद्योगिकियों का बड़े पैमाने पर पहला उपयोग ए प्रशिक्षण फिल्मों और अन्य मीडिया सामग्री के माध्यम से द्वितीय विश्वयुद्ध के अमेरिकी सैनिकों के प्रशिक्षण में पाया जा सकता है। आज की प्रस्तुतिकरण आधारित प्रौद्योगिकी इस विचार पर आधारित है कि लोग विषय वस्तु को श्रव्य और दृश्य अभिग्रहण से सीख सकते हैं जो अनेक प्रारूपों में उपलब्ध है ए जैसे स्ट्रीमिंग ऑडियो और वीडियो -ए पॉवरपॉइंट प्रस्तुतिकरण + .आवाज 1940 के दशक का एक अन्य रोचक आविष्कार हाइपरटेक्स्ट ए यानी वी बुश का मेमेक्स था। 1950 के दशक ने दो प्रमुख स्थिर लोकप्रिय अभिकल्प दिये। स्कैनर्स कार्य ने अनुदेशात्मक विषयवस्तु को छोटी इकाइयों में विभाजित कर ए तथा सही अनुक्रियाओं को अक्सर जल्दी पुरस्कृत कर ए क्रमादेशित अनुदेशों का व्यवहारजन्य लक्ष्यों के संरूप "पण पर ध्यान केंद्रित करना संभव बनाया। अपने बौद्धिक व्यवहारों के वर्गीकरण के आधार अधिगम के प्रति एक प्रवीण दृष्टिकोण की वकालत करते हुए ए ब्लूम ने अनुदेशात्मक तकनीकों का समर्थन किया जिसने शिक्षार्थी की आवश्यकतानुसार अनुदेश एवं समय दोनों को परिवर्तित किया। 1970 के दशक से 1990 के

दशक तक इन डिजाइनों पर आधारित मॉडल आम तौर पर कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण (सीबीटी) (कंप्यूटर सहायतायुक्त अनुदेश या कंप्यूटर की सहायता से अनुदेश) कहलाते थे। एक अधिक सरलीकृत रूप में वे आज के "ई" का म "सेट अप-ई" जो कि अक्सर "कंटेंट-सुख्य भाग होता है ए जैसे थे है ए कभी) कभी इसे वेब आधारित प्रशिक्षण (वेब-ई-अनुदेश भी कहा जाता था। पाठ्यक्रम अभिकल्पक अधिगम सामग्री के ए ग्राफिक्स और मल्टीमीडिया प्रस्तुति के साथ संवर्धित छोटे खंड बनाते हैं। आत्म मूल्यांकन और-छोटे पाठ-मार्गदर्शन के लिए तत्काल प्रतिक्रिया के साथ लगातार बहुविकल्पी प्रश्न जोड़े जाते हैं। ऐसी ई सामग्री आईएमएस- (एडीएल स्कॉर्म द्वारा परिभाषित मानकों पर भरोसा/ करती है। 1980 और 1990 के दशकों ने विविध प्रकार की संस्थाएं जिनको एक लेबल कंप्यूटर आधारित शिक्षा (वेब-ई की छतरी के नीचे रखा जा सकता है ए दी। अक्सर रचनावादी और संज्ञानवादी अधिगम सिद्धांतों पर आधारित ए इन परिवेशों ने अमूर्त एवं प्रक्षेत्र विशिष्ट समस्या समाधान शिक्षण पर जोर-कंप्यूटर वातावरण) दिया। पसंदीदा प्रौद्योगिकियां सूक्ष्म संसार जहां शिक्षार्थी खोज सकता था निर्माण कर सकता था (ए अनुरूपण कंप्यूटर वातावरण जहां शिक्षार्थी गतिशील प्रणालियों) और हाइपरटेक्स्ट थे। (के मापदंडों के साथ खेल सकते हैं शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल संचार और नेटवर्किंग 80 के दशक के मध्य में शुरू हुए और 90 के दशक के मध्य में ए विशेषकर विश्वव्यापी वेब (ईमेल तथा मंचों के माध्यम से (फोरम्स)

ऑनलाइन अधिगम के दो प्रमुख प्रारूपों में अंतर .लोकप्रिय हुए या कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) है। कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण) अधिगमबद्धपूर्व के इन दोनों ही प्रकारों ने एक ओर छात्र और कंप्यूटर अभ्यास एवं अनुशिक्षण तथा दूसरी ओर छात्र और सूक्ष्म संसार एवं अनुरूपण पर जोर दिया। आज ए कंप्यूटर के माध्यम से संचार)बद्ध नियमित विद्यालय प्रणाली में प्रचलित रूपावली है ए जहां छात्र एवं अनुदेशकों के बीच पारस्परिक क्रिया का प्राथमिक प्रारूप कंप्यूटर के माध्यम से है। आमतौर पर सीबीटी) सीबीएल/CBT/CBLका मतलब है वैयक्तिकृत अधिगम) जबकि सीएमसी(अध्ययन-स्व)बद्ध में शिक्षक निजी शिक्षक सुविधा शामिल है और लचीली शिक्षण/ गतिविधियों के मानसदर्शन की आवश्यकता है। इसके अलावा ए आधुनिक आईसीटी)ICT)उपकरणों के साथ ए अधिगम समूहों और संबद्ध ज्ञान प्रबंधन कार्य को बनाए रखने के लिए शिक्षा प्रदान करता है। यह छात्र और पाठ्यक्रम प्रबंधन के लिए उपकरण भी उपलब्ध कराता है। अधिगम प्रौद्योगिकियां कक्षा संवर्द्धन के अलावा ए पूर्णकालिक दूरस्थ शिक्षण में भी प्रमुख भूमिका निभाती हैं। जबकि अधिकांश गुणवत्ता की पेशकश कागज ए वीडियो और सामयिक सीबीटी सीबीएल/)CBT/CBL)सामग्री पर भरोसा करती हैं ए मंचों ए तत्क्षण संदेशों ए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आदि के माध्यम से ई शिक्षण का उपयोग- बढ़ा है। छोटे समूहों को लक्षित पाठ्यक्रम अक्सर मिश्रित या संकर अभिकल्पना जिसमें वर्तमान पाठ्यक्रम मिश्रित होता हैका दूरस्थ गतिविधियों के साथ उपयोग करते हैं प्रायः) और विभिन्न शैक्षणिक (माँड्यूल के आरंभ और अंत में जैसे प्रशिक्षण अभ्यास और अभ्यास) शैलियों ए कवायदपरियोजनाएं आदि का उपयोग करते हैं। (2000 के दशक में बहुगुण मोबाइल तथा सर्वव्यापी प्रौद्योगिकियों के उद्भव ने अधिगम-के -संदर्भ परिदृश्यों के अनुकूल स्थानिक अधिगम को नई प्रेरणा दी।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी

शैक्षिक और मानवीय कार्य प्रदर्शन प्रौद्योगिकी के लिए- दूसरे शब्दों में "व्यावहारिक विज्ञान है।" प्रौद्योगिकी का अर्थ ए वैज्ञानिक पद्धति के उपयोग के द्वारा मौलिक शोध से व्युत्पन्न कोई भी प्रक्रिया या प्रक्रियाएं प्रौद्योगिकी मानी जा सकती हैं। शैक्षिक या मानवीय कार्य प्रदर्शन प्रौद्योगिकी विशुद्ध- रूप से कलनविधीय या स्वानुभविक प्रक्रियाओं पर आधारित हो सकती हैं किंतु दोनों में से किसी का भी तात्पर्य आवश्यक रूप से भौतिक प्रौद्योगिकी से नहीं है। प्रौद्योगिकी शब्द यूनानी शब्द श्टेक्नेर से बना है जिसका अर्थ है शिल्प या कला. भी उसी मूल से आया है "तकनीक" एक अन्य शब्द ए जिसका उपयोग शैक्षिक प्रौद्योगिकी पर विचार करते समय किया जा सकता है। इसलिए शिक्षक की तकनीकों का समावेश करने के

लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी का विस्तार किया जा सकता है। शैक्षिक प्रौद्योगिकी वह है ए जो आधारभूत शैक्षणिक एवं मनोवैज्ञानिक शोध को अधिगम अथवा अनुदेश हेतु साक्ष्य - में रूपांतरित कर (या प्रौद्योगिकी) आधारित प्रयुक्त विज्ञान देता है। शैक्षिक प्रौद्योगिकियों के पास प्रायः शैक्षिक मनोविज्ञान ए शैक्षिक मीडिया ए प्रयोगात्मक मनोविज्ञान ए संज्ञानात्मक मनोविज्ञान या अधिक विशुद्ध रूप में ए शैक्षिक ए अनुदेशात्मक या मानवीय कार्य प्रदर्शन प्रौद्योगिकी या- अभिकल्पना के क्षेत्रों में स्नातक उपाधि (प्रणाली) अनुदेशात्मक स्नातकोत्तर) ए डॉक्टरेट ए पीएच होती है। (फिल. या डी .डी. लेकिन नीचे सूचीबद्ध कुछ सिद्धांतकारों में से कुछ हमेशा स्वयं जैसे शब्द पर वरीयता "शिक्षक" अपना वर्णन करने के लिए शब्द का प्रयोग करते थे। "शैक्षिक प्रौद्योगिकी" देते हुए सिद्धांत एवं व्यवहार

शैक्षिक प्रौद्योगिकी साहित्य में तीन मुख्य सैद्धांतिक स्कूल या दार्शनिक ढांचे उपस्थित रहे हैं। ये हैं व्यवहारवाद संज्ञानवाद और रचनावाद ए तीनों वैचारिक स्कूलों में से प्रत्येक आज के साहित्य में उपस्थित है लेकिन इनका विकास उसी प्रकार हुआ है जिस प्रकार मनोविज्ञान साहित्य का हुआ है।

व्यवहारवाद

इस सैद्धांतिक संरचना का विकास इवान पावलोव ए एडवर्ड थोर्नडिके ए एडवर्ड सी टोलमैन . ए क्लार्क एल हल ए बी .एफ . स्किनर और अन्य कई लोगों के पशु अधिगम प्रयोगों के साथ वीं शताब्दी में हुआ था। कई मनोवैज्ञानिकों ने इन सिद्धांतों 20 का मानव अधिगम के साथ वर्णन और प्रयोग करने के लिए इस्तेमाल किया। जबकि यह अभी भी बहुत उपयोगी है ए इस अधिगम दर्शन ने कई शिक्षकों का समर्थन खो दिया है।

स्किनर का योगदान

समकालीन शिक्षा में निहित मिथकों को समाप्त करने के प्रयास में तथा साथ ही अपनी प्रणाली जिसे वे क्रमादेशित अनुदेश कहते थे ए का प्रोत्साहन करने के लिए "द टेक्नोलोजी" ऑगडेन लिंड्सले ने भी इसी प्रकार .लिखी [7]" ऑफ टीचिंग व्यवहार विश्लेषण पर आधारित सेलेरेशन अधिगम प्रणाली विकसित की थी लेकिन वह केलर और स्किनर के मॉडल से बिलकुल अलग थी।

अनुदेशात्मक तकनीक और प्रौद्योगिकी

समस्या आधारित अधिगम और पूछताछ आधारित अधिगम सक्रिय अधिगम शैक्षिक प्रौद्योगिकियां हैं जिनका उपयोग सीखने की सुविधा के लिए किया जाता है। वह प्रौद्योगिकी जिसमें भौतिक एवं प्रक्रिया प्रयुक्त विज्ञान शामिल हैं ए को इस परियोजना ए समस्या ए पूछताछ आधारित अधिगम के साथ- सम्मिलित किया जा सकता है क्योंकि इन सब में एक समान

शैक्षिक दर्शन है। ये तीनों ही छात्र केन्द्रित आदर्शतः ये वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों को शामिल करते हैं जिनमें छात्र सक्रिय रूप से विवेचनात्मक सोच की गतिविधियों में शामिल होते हैं। वह प्रक्रिया एक प्रौद्योगिकी मानी जाती है जिसे अपनाने के लिए छात्र प्रोत्साहित (जब तक यह) होते हैं। (अनुभवजन्य अनुसंधान पर आधारित है)

शैक्षिक प्रौद्योगिकी और मानविकी

अलबर्टा इनीशिएटिव फॉर स्कूल इम्प्रूवमेंट (AISID) के शोध [17] - ताछ और परियोजना- के अनुसार पाठ्यक्रम केंद्रित पूछ आधारित दृष्टिकोण प्रभावी रूप से शैक्षिक प्रौद्योगिकी के अधिगम एवं शिक्षण प्रक्रिया में सम्मिश्रण को समर्थन देते हैं।

कक्षा में प्रौद्योगिकी

पारंपरिक कक्षाओं में वर्तमान में कंप्यूटर और गैर कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के कई प्रकार उपयोग में हैं। इनमें शामिल हैं:

कक्षा में कम्प्यूटर: कक्षा में कंप्यूटर होना एक शिक्षक के लिए एक संपत्ति है। कक्षा में एक कंप्यूटर के साथ एक शिक्षक एक नया पाठ प्रदर्शित करने और नयी सामग्री प्रस्तुत करने और नये प्रोग्राम का उपयोग समझाने और नयी वेबसाइट दिखाने में सक्षम होते हैं। [18]

कक्षा वेबसाइट: अपने छात्रों के काम को प्रदर्शित करने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है कि अपनी कक्षा के लिए डिजाइन किया हुआ एक वेब पेज बनाया जाये एक बार .

एक वेब पेज बनाया लिया गया है तो शिक्षक उस पर गृहकार्य छात्र कार्य प्रसिद्ध उद्धरण छोटे मोटे गेम और भी- बहुत कुछ पोस्ट कर सकते हैं। आजकल के समाज में एक बच्चे कंप्यूटर का उपयोग जानते हैं वे वेबसाइट खोल सकते हैं तो उन्हें क्यों नहीं कंप्यूटर उपलब्ध करवा दिया जाये जहां वे एक प्रकाशित लेखक बन सकें जरा सावधानी के साथ . क्योंकि अधिकतर जिलों में स्कूल और कक्षाओं में आधिकारिक वेबसाइट प्रबंधन के लिये सख्त नीतियां हैं। इसके अलावा एक सभी स्कूल जिले शिक्षक वेबपेज उपलब्ध करवाते हैं जिन्हें आसानी से स्कूल जिले की वेबसाइट के माध्यम से देखा जा सकता है।

कक्षा ब्लॉग और विकी: वेब के उपकरणों के कुछ प्रकार हैं 2.0 जिन्हें कक्षाओं में क्रियान्वित किया जा रहा है। ब्लॉग से छात्रों को विचार कल्पनाओं और कार्य छात्र टिप्पणी और बार-बार-दुहरानेवाले प्रतिबिंब के लिए एक पत्रिका की तरह चल रहे संवाद को बनाए रखने की सुविधा मिलती है। विकी अधिक समूह केंद्रित हैं जहां समूह के कई सदस्यों को एक एकल दस्तावेज को संपादित करने और वास्तव में सब के सहयोग से और ध्यान से संपादित अंतिम उत्पाद बनाने की सुविधा प्रदान करता है।

वायरलेस कक्षा माइक्रोफोन: कक्षाओं में एक दैनिक घटना है ए माइक्रोफोन की मदद से छात्र अपने शिक्षकों को स्पष्ट सुनने में सक्षम हैं। बच्चों को बेहतर सीखते हैं जब वे शिक्षक को स्पष्ट रूप से सुनते हैं। शिक्षकों के लिए लाभ यह है कि वे अब दिन के अंत में अपनी आवाज नहीं खोते.

मोबाइल डिवाइस या स्मार्टफोन मोबाइल उपकरण जैसे : क्लिकर्स या स्मार्टफोन कक्षा अनुभव बढ़ाने के लिए उपयोग किये जा सकते हैं इससे प्रोफेसरों को प्रतिपुष्टि प्राप्त होने की संभावना होती है।

स्मार्टबोर्ड्स: एक इंटरैक्टिव सफेद बोर्ड है जो कंप्यूटर अनुप्रयोगों के लिए स्पर्श नियंत्रण प्रदान करता है। जो कुछ भी एक कंप्यूटर स्क्रीन पर किया जा सकता है उसे दिखाने से कक्षा में अनुभव में वृद्धि होती है। यह न केवल दृश्य अधिगम में सहायक है बल्कि यह परस्पर प्रभावी है ताकि छात्र उस पर चित्र बना सकते हैं ए लिख सकते हैं या स्मार्टबोर्ड पर छवियों में हेरफेर कर सकते हैं।

ऑनलाइन मीडिया: कक्षा पाठ के संवर्द्धन हेतु प्रदर्शित वीडियो वेबसाइट का उपयोग किया जा सकता है (जैसे) यूनाइटेड स्ट्रीमिंग टीचर ट्यूब आदि.

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण

अधिक उपयोगी हम में से कई लोग अंततः आश्चर्य करते हैं कि हमें इतने सारे विषयों को सीखने के लिए क्यों बनाया गया था जिनके बाद जीवन और काम में कोई प्रासंगिकता नहीं थी। व्यावसायिक केंद्रों के लोगों को ऐसा कोई पछतावा नहीं है। उनके पाठ्यक्रम अधिक उपयोगी हैं।

नौकरी की उपलब्धता में वृद्धि व्यवसाय शब्द स्वयं ही सुझाव देता है छात्र अधिक विशिष्ट हैं और इसलिए रोजगार की संभावना अधिक है।

छात्र पहले परिपक्व होते हैं जो छात्र व्यावसायिक शिक्षा ले चुके हैं वे काम और उनके पेशे की दिशा में अधिक जिम्मेदार और परिपक्व हो जाते हैं।

किसी के करियर का चयन करना हम में से कई लोग जीवन में बाद में एक गलत पेशे में खुद को पाते हैं ए जहां हम खुश नहीं हैं। व्यावसायिक संस्थान से गुजरने वाले छात्रों को ऐसा कोई पछतावा नहीं है ए क्योंकि वे वही चुनते हैं ए जिसमें वे अच्छे हैं।

देश की संपत्ति व्यावसायिक शिक्षा किसी व्यक्ति को किसी विशेष क्षेत्र में एक विशेषज्ञ बनाती है। ऐसा व्यक्ति देश के लिए एक संपत्ति बन जाता है।

विदेश में रोजगार दुनिया भर में अधिकांश व्यावसायिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है तो किसी विशेष क्षेत्र में एक विशेषज्ञ होने के नाते निश्चित रूप से पूरी दुनिया में नौकरी मिल सकती है। इसके अलावा एक वर्क परमिट वीजा प्राप्त करना उस /

व्यक्ति के लिए आसान हो जाता है जिसके पास व्यावसायिक डिग्री या डिप्लोमा हो। आईपीटी के पेट्रे के अनुसार ए प्रिंटिंग की आवश्यकता हर जगह है ए इसलिए हमारे छात्र आसानी से विदेश में जाकर रोजगार भी प्राप्त कर सकते हैं।

शैक्षणिक डिग्री पर अच्छा विकल्प प्रत्येक छात्र अध्ययन में प्रतिभावान नहीं हो सकता है। हर किसी में अन्य प्रतिभाएं होती हैं जिन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। इसलिए ए यह उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जिन्हें पास उच्च अध्ययन के लिए योग्यता नहीं है।

स्कूल ड्रॉपआउट के लिए परफेक्ट निचले सामाजिक आर्थिक-समूह के कई छात्रों को पैसे की कमी के कारण स्कूल छोड़ना

पड़ता है। व्यावसायिक केंद्र कौशल या व्यापार सीखने का अवसर प्रदान करते हैं।

उपसंहार:

प्रौद्योगिकीव्यावहारिक और औद्योगिक कलाओं और प्रयुक्त विज्ञानों से संबंधित अध्ययन या विज्ञान का समूह है। कई लोग तकनीकी और अभियान्त्रिकी शब्द एक दूसरे के लिये प्रयुक्त करते हैं। जो लोग प्रौद्योगिकी को व्यवसाय रूप में अपनाते हैं उन्हें अभियन्ता कहा जाता है। आदिकाल से मानव तकनीक का प्रयोग करता आ रहा है। आधुनिक सभ्यता के विकास में तकनीकी का बहुत बड़ा योगदान है। जो समाज या राष्ट्र तकनीकी रूप से सक्षम हैं वे सामरिक रूप से भी सबल होते हैं और देरसबेर आर्थिक रूप से भी सबल बन जाते हैं।-

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. रिची, आर .सी 2008 .(2008) आईसीटी) AECT) डिफिनेशनऑफ़दफील्डपरविचार .टेकट्रेड्स25-24 (1)52 .
2. लोवेंथल, पी .आर .ओरविल्सन, बी .जी .(2010) .लेबलडूमैटर्स !आईसीटी) AECT) केरिडिफिनेशनऑफ़दफील्डकीआलोचना .टेकट्रेड्स, (1) 54, -38 .DOI: /10.1007s-0362-009-11528y
3. हैंडबुकऑफ़ह्युमनपरफॉर्मैसटेकनोलॉजी) एड्स .हैरोल्डस्टोलोविच, एरिकाकीप्स, जेम्सपर्शिंग 3) (एड, (2006
4. ब्लूमबी .एस .(1956) .टैक्सानॉमीऑफ़एजुकेशनलऑब्जेक्टिव्स, हैंडबुक।: दकॉग्निशनडोमेन . न्यूयॉर्क :डेविडमैककेकंपनीइंक
5. Shurville, S. (" .(2008Employing the new educational technologists: A call for evidenced change" (PDF). Proceedings ascilite Melbourne .2008नामालूमप्राचल|coauthors= कीउपेक्षाकीगयी) |author= सुझावितहै) (मदद(
6. स्किनर, बी.एफ .अध्ययनकेविज्ञानऔरशिक्षणकाकला .हार्वर्डशैक्षिकसमीक्षा, 1954, 24, 97-86, शिक्षणमशीन .विज्ञान, 1958, 128, .77-969 औरदूसरेदेखेंhttp://web.archive.org/web//20081217104146http://www.bfskinner.org/f/EpsteinBibliography.pdf
7. Skinner BF (" .(1965The technology of teaching". Proc R SocLond B Biol Sci. 427 :(989) 162– .43PMID .4378497डीओआइ/10.1098:rsph..1965.0048
8. http://supportblogging.com/Links+to+School+Bloggers औरhttp://movingforward.wikispaces.com/Blogs देखें
9. ÷ वेलकम टू द एडिज़िडब्लौग पुरस्कार!
10. प्रोफेसर सेमुर पेपर्ट
11. अध्ययन पर प्रौद्योगिकी प्रभाव
12. प्रौद्योगिकी का प्रभाव
13. व्हाइट कसेंज़ा बौल्यार्ड जोसे बास . नई निर्देश सोर्सबुक ." एक एकीकृत परामर्श और अध्ययन सहायता सेंटर " .(1980) .ए इंक सैन फ्रांसिस्को कैलिफोर्निया.
14. व्हाइट कसेंज़ा बीछात्र मा .(1989) .मले "भविष्य - कॉलेज के छात्र विकास के जर्नलए 10 :(1ए .89-86
15. शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग
16. कोर्डस कोलेन एंड मिलर एडवर्ड(1999) . फ्लूस गोल्ड"अ क्रिटिकल लूक एट कंप्यूटर इन चाइल्डहुड :